सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

वर्ष : 9
अंक : 105
अक्टूबर : 2018

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

7 | मन के हारे हार है, मन के जीते जीत

8 | समसामयिकी घटना संग्रह

9 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

18 | आर्थिक घटना संग्रह

- आरबीआई ने 25 आधार अंक के साथ रेपो दर 6·5 प्रतिशत की
- ईज ऑफ लिविंग इंडेक्स 2018 की सूची में पुणे शीर्ष पर
- रेल मंत्रालय ने 22 स्टेशनों पर डिजिटल स्क्रीन लांच की
- गुरुग्राम भारत का सर्वाधिक प्रदूषित शहर

21 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- उच्चतम न्यायालय द्वारा सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को मान्यता
- राजस्थान में ऑर्किड उत्सव का आयोजन
- दिल्ली हाईकोर्ट ने भीख माँगने को अपराध की श्रेणी से बाहर किया

26 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- इमरान खान ने पाकिस्तान के 22वें प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली
- नासा ने सूर्य को छूने के लिए पार्कर सोलर प्रोब लांच किया
- पहला वैश्विक दिव्यांगता सम्मेलन, 2018

31 | खेल खिलाड़ी

- एशियन गेम्स के 18वें संस्करण का इंडोनेशिया के जकार्ता में रंगारंग आगाज
- टी-10 लीग को आईसीसी की मंजूरी मिली
- विराट कोहली विदेश में टेस्ट मैचों में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय कप्तान

35 | विज्ञान समाचार

37 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

40 | **आर्थिक लेख**—(i) धारणीय विकास

41 | (ii) वर्ष 2022 तक किसान की आमदनी दोगुनी तक बढ़ाने की सार्थक पहल

42 | **कॅरियर लेख**—(i) नेशनल डिफेंस अकादमी

44 | (ii) आगामी एस.एस.सी. द्वारा आयोजित केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में कॉंस्टेबलों (जी.डी.) के 54,953 पदों पर भर्ती परीक्षा-2018

78 | **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

79 | **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-102 का परिणाम**

80 | **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

47 | **छत्तीसगढ़ पुलिस आरक्षक (सफाई कर्मचारी) भर्ती परीक्षा-2018 आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित लिपिकीय संवर्ग (प्रा.) परीक्षा-2017**

51 | **तर्कशक्ति**

54 | **English Language**

57 | **संख्यात्मक अभिरुचि**

60 | **आगामी भारतीय वायुसेना ग्रुप 'X' एवं ग्रुप 'Y' भर्ती परीक्षा-2018 हेतु विशेष हल प्रश्न**

66 | **आगामी रेलवे सुरक्षा बल एवं रेलवे सुरक्षा विशेष बल में कॉंस्टेबलों की भर्ती परीक्षा-2018 हेतु हल प्रश्न**

73 | **आगामी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल कॉंस्टेबल भर्ती परीक्षा-2018 हेतु विशेष हल प्रश्न**

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66; 43259035

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2303340
मो– 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता– 700 003 (W.B.)
फोन– 033-25551510

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) फोन– 040-24557283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ **इन्दौर**
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
फोन– 9203908088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
फोन– 0712-6564222
मो– 09370877776

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

Even if the destination or the desired object be far away or difficult to achieve one can reach it or get it if one is determined. Nothing is impossible for a determined person.

—Acharya Chanakya

इंसान के मन में अनेक तरह के संकल्प, विकल्प यूँ तो सतत् चलते ही रहते हैं, किन्तु कुछ संकल्प ऐसे होते हैं. जो इंसान के जीवन की राह बदल डालते हैं और कुछ विकल्प ऐसे होते हैं जो इंसान की सफलता के बीच में बहुत बड़ी बाधा खड़ी करके उसे एक असफल, असन्तुष्ट और बेईमान आदमी तक बना डालते हैं. संकल्प और विकल्पों के जाल में उलझा हुआ चित्त आदमी को प्रवृत्त बनाए रखता है. लोभित, प्रलोभित बनाए रखता है. भय और प्रलोभनों की राह में बढ़ता हुआ आदमी सोचता तो यह है कि मैं अपनी जिन्दगी को अपने आप से जी रहा हूँ, लेकिन हकीकत ये है कि उसकी जिन्दगी उसकी मन की कमजोरियाँ ही जिला रही होती हैं. मन की कमजोरियाँ उसको जिधर ले जाती हैं. उधर वह चला जाता है और इस तरह से वह अपने आपको हारता चला जाता है. हार की कहानी को समझे बिना इस दुनिया में भला जीत को किसने शाश्वत बना दिया जीत अगर कभी शाश्वत हो सकती है तो वह तभी जबकि हार की हरएक अवस्था को, निशानी को, लक्षण को, कहानी को एक इंसान बड़ी बारीकी से, सूक्ष्मता से जान ले. जब तक हार को सूक्ष्मता से नहीं जानता वो जीत को भी नहीं जान सकता. असफल लोगों की कहानियों से ये लोगों ने सफलता के गुण पाए हैं. क्या है असफलता ? कैसे मिलती है ? सफलता यूँ तो अनेकानेक इसके दृष्टांत हैं, सूत्र हैं, कथाएँ हैं, फॉर्मूले हैं, लेकिन एक बात पक्की है. जब-जब इंसान ने जो संकल्प किया उसमें विकल्प पैदा किया और जब-जब इंसान ने अपने विकल्पों के लिए साथ संकल्प पैदा कर लिया तब-तब वो हारा है. आप जिस रास्ते पर चल रहे हो इस रास्ते पर अपनी मंजिल को स्थापित किया है. जब उस रास्ते को छोड़कर किसी अन्य रास्ते के प्रति मन में आकर्षण पैदा होता है, प्रलोभन पैदा होता है. उस रास्ते का विज्ञापन मन को ललचाता है.

दूसरे रास्ते पर चलने की प्रेरणा और मनोहार मन को विकल्पों से भ्रमित कर देती है तब अगर उस विकल्प में पहुँचा हुआ चित्त संकल्प कर ले, विदान कर ले, अपने विकल्प को समर्पित हो जाए तो संकल्प को छोड़ करके अन्य मार्ग पर गतिमान हो जाए तो वह व्यक्ति विकल्पों में संकल्पित होने की वजह से हारेगा ही हारेगा. उसके पास जितनी भी समताएँ, जितनी भी काबिलियत, जितनी भी योग्यताएँ थीं वह सब गलत राह पर चल चुकी हैं. हाँ संकल्पों की आवश्यकता वहाँ भी पड़ी, लेकिन अब ये सारे संकल्प ऐसे थे जैसे नदी अपने प्रवाह को छोड़ दे और किसी अन्य प्रवाह में सैन्ध्य छेद में प्रविष्ट होने के लिए उद्दाम लालायित हो जाए तो उस नदी के प्रवाह को जो किसी पिछले स्तर पर प्रवाहित होने के लिए लालायित हो चुकी हो. उद्दाम हो चुकी है, दुर्दमनीय हो चुकी है. वह नदी सागर तक नहीं पहुँचेगी और उस छिद्र में पहुँच करके बड़े आवेग के साथ आगे बढ़ेगी और फिर अपनी राह भटक जाने की वजह से कुछ देर चलकर, फैल कर सूख जाएगी. एक राह है जो नदी को मरुस्थल तक ले जाएगी और सुखा डालेगी, समाप्त कर देगी. दूसरी राह है जो नदी को अनेक तरह के विकल्पों के बीच में अपने संकल्पित राह से गुजरने में उसे प्रेरित करेगी और वह नदी अपने संकल्पों के साथ बढ़ते हुए अपने मूल लक्ष्य सागर तक पहुँच जाएगी. देखना यह है कि हमारी चेतना स्वमार्ग में संकल्पित है या परमार्ग में. स्वपाशन्द में आगे बढ़ती है या परपाशन्द में स्वमार्ग स्वपाशन्द है और मार्ग परपाशन्द. संकल्पों में विकल्प ना हो और जब विकल्प हो गया तो उस विकल्प में संकल्प ना हो इस बात का बोध जिसे रहता है वह कभी असफल नहीं होता और अगर असफल होने की तरफ आकर्षित भी होता है तब भी पुनः अपना प्रतिलेखन और निरीक्षण करके अपने सत्य में स्थापित हो जाता है. इस आत्मशक्ति की यात्रा में परमात्मा और गुरु हमारे साक्षी है औरये यात्रा अपने ही अन्तर को जगाकर हरएक व्यक्ति को करनी होगी.